12.00 hrs

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

U. S. President on the attitude of non-aligned countries to Vietcong Attacks

श्री ओम प्रकाश त्यागी (मुरादाबाद) ; अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर वैदेशिक-कार्य मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"4 मार्च 1969 को अमरीका के प्रेजिडेंट का टेलिविजन पर प्रेस सम्मेलन जिसमें वियट-कांग हमलों के बारे में तटस्थ देशों के मौन रहने के रवैये की निन्दा की गई और उन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया गया।"

वैदेशिक कार्य मन्त्री (श्री दिनेश सिंह) : अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार को इस विषय पर संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रपति के किसी बयान के बारे में जानकारी नहीं है। सरकार का ध्यान अखबार की एक खबर की ओर दिलाया गया है जिसमें अमरीकी राष्ट्रपति के कुछ सहायकों के नाम में यह आरोप लगाया गया है। संयुक्त राज्य अमरीका की सरकार ने इस बारे में भारत सरकार को कुछ नहीं लिखा है।

इस विषय में भारत सरकार की नीति से सभी परिचित हैं। इस समय पैरिस में सम्बद्ध पक्षों की जो बातचीत चल रही है उसका हमने स्वागत किया है और हम यह भी आशा करते हैं कि इससे अन्ततः शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा। हम यह भी आशा करते हैं कि सभी सम्बद्ध पक्ष ऐसा कोई कदम नहीं उठायेंगे जो इस संभावना के लिए हानिकर हो।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : अध्यक्ष महोदय, आप इस सदन के संरक्षक हैं, और इस सरकार का जो उत्तर आता है उसको आपने देखा है। श्री निक्सन का स्टेटमेंट समस्त पेपर्स और टेलिविजन पर आया है तथा अमरीका की समस्त जनता ने उसे देखा है। उन्होंने इन शब्दों में हमारे ऊपर हमला किया है:

> "His aides say that he is disappointed with some non-aligned countries which advised the U.S.A. to give up the bombing of North Viet Nam.
>
> They have not spoken against the shelling of southern cities by the North. This is treated here as a supreme example of "double standards."
>
> U. Thant is an exception to the rule, for he has condemned the "savege attacks."

इसी के साथ में निक्सन ने एक बात और कही है कि हम को सोचना पड़ेगा कि हम बाम्बिंग का क्षेत्र बढ़ायें या नहीं, अगर इसी तरीके से हम पर हमला होता रहा और अमरीका के सिपाही मारे जाते रहे।

इतना ही नहीं, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ कि यू० एस० डिफेंस सेक्रेट्री लेआर्ड क्या कहते हैं :

> The U.S. Defence Secretary, Mr. Melvin Laird, said today that the North Vietnamese and Viet Cong Offensive was not of great military significance, but the shelling of towns had to stop.
>
> He told a press conference at the giant American base at northern Da Nang that if indiscriminate shelling of population centres continued a response would be made.

यह उसकी चेतावनी है। मुझे मालूम नहीं है कि मंत्री महोदय को निक्सन का स्टेटमेंट पढ़ने को मिला या नहीं। अगर नहीं मिला तो इस से ज्यादा दुर्भाग्य की बात विदेश मंत्री के लिए और कोई नहीं हो सकती। भारत तटस्थ देशों का नेता है और इस रूप में उसी की ओर संकेत है। आज संसार दो वर्गों में बटा हुआ है। तटस्थ देश संसार में शांति के लिए प्रयत्नशील हैं और उन का नेता भारतवर्ष है। भारत वर्ष ने तटस्थ नीति अपनाई और उसके कारण संसार में बहुत सी समस्याओं का समाधान हुआ। भारत सरकार के प्रधान मंत्री ने

बार-बार प्रार्थना की, कोई दिन ऐसा खाली नहीं गया जब उन्होंने यह न कहा हो कि साउथ वियटनाम में शांति स्थापित करने के लिये और शांतिपूर्ण वातावरण पैदा करने के लिए अमरीका को बिना शर्त बाम्बिंग बन्द कर देनी चाहिये। अमरीका ने अनकंडिशनली बाम्बिंग बन्द कर भी दी। चाहिये भी यही था क्योंकि साउथ वियटनाम प्रजातन्त्र में विश्वास करता है और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी हमारे करीब है। लेकिन इसके पश्चात आज के ही "इंडियन एक्सप्रेस" में जो निकला है वह यह है कि :

Four-hundred Communist troops apparently moving from inside Cambodia eastward Saigon today ran into a platoon of 40 U.S. air cavalrymen screening a section of the border killed or wounded every one of American troops.

एक पूरी प्लाटून को साफ कर दिया है, और साउथ वियटनाम का कोई शहर ऐसा नहीं है जिस पर राकेट से शेलिंग नहीं हो रही है। मैं एक और बात की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि :

"The North Vietnamese President H.O. Chi Minh in a New Year Day Massage said his own people and Viet Cong should not relase their efforts to drive the Americans out of South Vietnam."

युगेन्डा, रोडीशिया, जहां १२ भी कोई आदमी मरता है तब यह गवर्नमेंट हमेशा अपना स्टेटमेंट देती है। जब पेरिस में समझौते की बातचीत चल रही है तब मानवता के दृष्टिकोण से भी और शांति के दृष्टिकोण से भी यह आक्रमण समझौते की भावना के सर्वथा विपरीत थे।

अतः मैं जानना चाहता हूँ कि जब भारत की इच्छा और प्रार्थनानुसार अमरीका ने बिना शर्त वियतनाम पर बमबारी समाप्त कर दी तो क्या भारत सरकार ने उत्तर वियटनाम को प्रेरित किया कि वह भी समझौते की इच्छा व सद्भावना प्रकट करने के लिए दक्षिण वियटनाम युद्ध को स्थगित कर दे? अगर उसने यह प्रयत्न किया तो उस का क्या उत्तर मिला, और अगर ऐसा प्रयत्न नहीं किया तो क्यों नही किया ?

मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि जब समझौते की भावना के विपरीत उत्तर वियतनाम ने अपने आक्रमणों को तेज करते हुए दक्षिण वियतनाम के समस्त नगरों पर राकेटों से हमला शुरू कर दिया तब सरकार ने उन आक्रमणों का खण्डन क्यों नहीं किया और चुप क्यों रही। क्या सरकार की मौनावस्था से इस देश की तटस्था को आघात नहीं पहुंचा ?

श्री योगेन्द्र शर्मा (बेगुसराय) : क्या हम इस सवाल पर विचार कर रहे हैं कि अमरीकी शहरों पर बम्बारी हो रही है या वियटनामी शहरों पर बम्बारी हो रही है ? On a point of order.

MR. SPEAKER : There is no point of order ; it is a point of disorder.

श्री दिनेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे पास अमरीका के राष्ट्रपति ने जो कुछ कहा उस की ट्रांस्किप्ट है। उसमें उन्होंने तटस्थ देशों के बारे में ऐसी कोई बात नहीं कही। अगर माननीय सदस्य को किसी और सोर्स से कुछ पता चला है, तो मैं उसके लिए जिम्मेदार नहीं हूँ। उन्होंने अखबार पढ़कर सदन का समय लिया। माननीय सदस्यों ने खुद पढ़ा होगा, उसमें यह लिखा है कि :

"His aides say".

उनके जो सहायक हैं उनमें से किसी ने कुछ नहीं कहा। कम से कम मेरे पास तो यह नहीं आया। जहां तक इसका सवाल है कि क्या कहा गया है, तो वहाँ बाम्बिंग बन्द नहीं हुई है और वहां पर जो अटैक हो रहा है उसका जवाब उन्होंने दिया है। अगर माननीय सदस्य उसको पढ़ने की कोशिश करते तो यहां सवाल न उठाते। सवाल किसी ने पूछा था।

"Mr. President, have you considered an appropriate response if the attacks continue in South Viet-Nam ?"

[Shri Dinesh Singh]

"Would an appropriate response include resumption of bombing in the North ?"

प्रेजीडेंट ने जवाब दिया :

"That the question is one that I have given thought to, but it is one which I think should not be answered in this forum."

जहाँ तक भारत की नीति का सवाल है, वह स्पष्ट है। हमने शुरू से कहा और काफी दिनों से कह रहे हैं और अभी भी कहते हैं कि वियतनाम की समस्या का जो हल है वह शान्तिपूर्ण ढंग से निकलना चाहिये, शान्तिपूर्ण ढंग से निकल सकता है और बातचीत करके निकल सकता है। लड़ाई के मैदान में नहीं निकल सकता है।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : मैं आपका संरक्षण चाहता हूँ। मेरे प्रश्न का जवाब नहीं मिला है। मैंने यह कहा है कि नार्थ वियतनामीज जो हमला कर रहे हैं, उसके बारे में हमारी सरकार मौन क्यों है...(व्यवधान)...

SHRI BAL RAJ MADHOK (South Delhi) : The question is, have you condemned the bombing of civilians.

SEVERAL HON. MEMBERS *rose*—

MR. SPEAKER : Order, order. Everybody will kindly sit down.

श्री ओम प्रकाश त्यागी : प्रश्न का उत्तर तो आना चाहिए।

MR. SPEAKER : Your *prasna* was for half an hour ! Please sit down.

SEVERAL HON. MEMBERS *rose* –

MR. SPEAKER : Order, order. Will you kindly sit down, Shri Sharma ? Please do not interrupt like this. A responsible Member like you should not get up like that. How can I control this ? I know you are anti-American. Everybody know that. But you should not shout like that. Will you kindly sit down ? (*Interruption*) You should not exhibit your anger like this. Shri Sreedharan.

SHRI A. SREEDHARAN (Badajara) : Mr. Speaker, Sir, I am shocked by the statement of the External Affairs Minister in this country. He is an aide of the Prime Minister and he is also in the inner circle of the Prime Minister. The External Affairs Minister says that the United States Government have not addressed the Government of India in this matter. It is a very quixotic statement, because the External Affairs Minister of the Government of India is expected to know the policy developments in a major country like the United States, and I hope he does not expect Mr. Nixon to write and inform him everyday of the details of his policy. But I know the affairs of the External Affairs Ministry are today in the doldrums, because that policy adviser, I understand, has abandoned his post and they want to bring him back as MP. Apart from that—

MR. SPEAKER : Please come to the question.

SHRI A. SREEDHARAN : The aides of the American President also express the policy of the Government of the United States. They have accused us of double standards. I would like to know whether this Government does not practise double standards at all, (*Interruption*) When the Prime Minister goes to Moscow she says that the bombing of North Viet Nam is wrong. But when she goes to Washington she says Mr. Johnson has a case. This way, like a pendulum, India's foreign policy has been swinging between Moscow and Washington, and in the words of the late Dr. Lohia, India's foreign policy is one of alternate servitude. So, I would like to know from the External Affairs Minister whether he has enquired from the Indian Ambassador in Washington as the whether there has been a change in the United States' policy towards the non-aligned countries.

My question (b) is this. This is not merely an attack on the policy on a particular issue. This is an attack on the basic posture of non-alignment posed by the Government of India,—(*Interruption*)—the so-called non-alignment. If that is the posture of the United States, will the External Affairs Minister of this country have the courage of conviction and faith and tell the Government of the United States and

Mr. Nixon not to poke his beaky nose into the affairs of the Asian countries.

SHRI DINESH SINGH : The entire question is based on the fact that Mr. Nixon has said something about non-aligned countries. As I said, in the transcript I have received, there is no mention of anything of thir kind nor has the U. S. Government written to us. I do not know what other channel of communication the hon. member expects us to maintain. Therefore, I cannot make any comment about anything which has not been said.

SHRI B. K. DASCHOWDHURY (Cooch-Behar) : The minister's statement seems to be a very tricky game. He has evaded the whole issue. He says :

> "Its attention has been drawn to a press report which makes this allegation as from some aides to the President".

I do not understand what the hon. Minister means by this. There must be some clarification whether the statement made by the aides is to be regarded as a statement made by the President himself. While we dislike having to make any adverse comment or observation in regard to Heads of Foreign States or the foreign policy of other countries, we find it is a great pity that the President of America made such a remark against non-aligned countries that they are having double standards. I am not saying anything about the fighting between North and South Vietnam. The Minister has said that the policy of the Government on this matter is well known. But it has got another aspect. In the recent past, the international relations amongst the member nations of the U.N. have become very formidable and fair. The cornerstone of international relations is embodied in article 2(4) of the U.N. Charter, which says :

> "All members shall refrain in their international relations refrain from the threat or use of force against the territorial integrity or political independence of any State or in any other manner inconsistent with the purposes of the United Nations."

I want to ask whether this particular statement made either by the President himself or by some of his aides is consistent with the purpose of the UN. I want to know whether the Government of India will seek a clarification from the President himself whether he disowns the statement made by some of his aides or whether he takes full responsibility for it.

SHRI DINESH SINGH : The newspaper story to which reference has been made by my hon. friends says "Nixon disappointed with non-alignment". On the basis of this, they have submitted this calling attention which you were pleased to admit. The facts are entirely contradictory. President Nixon has not made any statement. Even in the paper, the statement is not attributed to the President of U. S., but to his aides. We understand that even the aides have not made any statement. Hon. members have put forward a question on the basis of a story which has no basis at all in fact. What answer can I give ?

MR. SPEAKER : Papers to be laid.

SHRI M. L. SONDHI (New Delhi) : You are allowing him to get away with it ? What are the Chinese and Americans doing in Warsaw ? They are discussing your border and you do not have the guts . . .

MR. SPEAKER : Order, order. Papers to be laid.

12.19 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

Report of Advisory Committee on the Press Council

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JAGANNATH PAHADIA) : On behalf of Shri I. K. Gujral,

I beg to lay on the Table a copy of the Report (Hindi and English versions) of the Advisory Committee on the Press Council. [*Placed in Library See* No. LT-258/69]

Notification under Drugs and Cosmetics Act

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING, AND WORKS, HOUSING URBAN DEVELOPMENT (SHRI B. S. MURTHY) : I beg to lay on the Table a